

6 September 14 9 2015

Hindustan Times

Sudhakar

The Times of India (Hindi)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Pravashakti Times (Hindi)

Pravashakti Keshari (Hindi)

The Hindu

Pravashakti Parvati (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Express

Hindustan (Hindi)

The Times of India (Hindi)

The

and documents in English (English) Published between 2015

Drought at home, CM tours abroad to woo industry

State of affairs
Maharashtra

SHIV KUMAR

If Maharashtra is suffering from its worst drought in living memory, it does not show on Chief Minister Devendra Fadnavis.

A leader with a decidedly urban background, Fadnavis has chosen to give more priority to industry. In only nine months after taking over as Chief Minister, Fadnavis is on his sixth visit abroad - this time to Japan.

The social media-savvy BJP leader promptly tweets about his meetings with sundry leaders and industrialists. Information on business agreements signed by members of his team is promptly disseminated to the media back home.

Other than token visits at events related to drought relief, Fadnavis is contented to let rival and fellow BJP leader Eknath Khadse handle the situation to the best of his abilities. The apathy of the top leadership is telling on the rollout of drought-relief measures in the worst-affected areas of the state.

"The state government is yet to officially declare Maharashtra as drought-hit which would allow implementation of relief measures," says a bureaucrat. Officials said a decision on declaring at least parts of Maharashtra as drought-hit would be taken after Fadnavis returns from his Japan tour.

According to the government's own data, the water available in the state's reservoirs is just 49 per cent of capacity as against 72 per cent in the same period last year. Of the 355 talukas across the state, 125 have received less than 50 per cent rainfall, while 146 between 50



Priorities 'misplaced'

■ In only nine months after taking over as Chief Minister, Devendra Fadnavis (pic) is on his sixth visit abroad - this time to Japan

■ The social media-savvy BJP leader promptly tweets about his meetings with sundry leaders and industrialists

■ The state government is yet to declare Maharashtra as drought-hit which would allow implementation of relief measures

■ Over 600 farmers have committed suicide, with 100 taking their lives in August alone, in the worst-hit Marathwada region

and 75 per cent rainfall.

Farmers who began sowing the monsoon crop after good rains in June are facing huge losses. More than 600 farmers have committed suicide with 100 people taking their lives in August alone in the worst-hit Marathwada region. The grim scenario has still not moved the state government to conserve water.

Another instance of the state's misplaced priorities is the diversion of water from the Jaikwadi dam. The water which would easily suffice for the drinking water needs of people and cattle in Marathwada's

Aurangabad district is diverted for manufacturing beer. Needless to say, most of the distilleries are owned by politicians from across the political spectrum, including the BJP.



News item/News article/Editorial published on *Lafayette-12.09.2015*

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (T.I.)

Indian Express ✓

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Hanjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

U.P. Chronicle

A.B.J. (Hindi)

Indian Nation

Net Daily (Hindi)

The Times of India (M)

etc.

and documents of Environment/Environ. Publishing Section, DPC.



Pollution in the Yamuna has reached alarming levels. Archive

LUCKNOW

NGT show-cause to Agra builders for polluting Yamuna

THE NATIONAL Green Tribunal has issued showcause notice to 10 residential colonies of Agra for discharging untreated sewage and asked them to explain why a fine of Rs 1.41 crore be not imposed on them for polluting the Yamuna. A bench headed by NGT chairperson Justice Swatanter Kumar said, "Noticees will have to show cause why compensation upon them be not imposed for polluting environment, particularly river Yamuna, and why they should not be directed to pay a sum of Rs 1.41 crore as expenditure to be incurred by authorities for connecting their sewage to the STP."

News item/feature/article/editorial published on September 14, 09, 2015

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	I.E. Chronicle
Express	Punjab Kesari (Hindi)	A. & J. (Hindi)
The Times of India (M.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nal Evniya (Hindi)
Tribune	Dussean Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	London Herald	etc.

and documented at Chairman/English & Publicity Section, CWC

Recycling waste water

Staff Reporter

NEW DELHI: In a bid to tap grey water during water scarcity, the South Delhi Municipal Corporation (SDMC) has come up with a plan to water all the parks in Vasant Kunj area from a Sewage Treatment Plant (STP).

For this, Municipal Councillor Kusum Khatri, of Kishangarh area has already requested for the allotment of land from the Delhi Development Authority (DDA) for creation of pumping station and sump well in the area.

"In July, a plot of 300 square meters was allotted and handed over to the SDMC. In order to use the natural resources in optimum manner we are developing a system comprising a sump well and pump house for laying the rising mains from the existing STP to the Park of Vasant Kunj and water bodies i.e. Kishangarh and B-1 Block Water bodies," Ms. Khatri said.

मजदूर बनने को मजबूर किसान



देविंदर
शर्मा

कृषि विशेषज्ञ

यह लगातार चौथा साल है, जब कहीं न कहीं सूखा पड़ रहा है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब जैसे राज्यों में कई जगह काफी कम बारिश हुई है। इस साल भी अभी तक 15 फीसदी कम बारिश हुई है। इसका असर साफ देखा जा सकता है। मसलन महाराष्ट्र में गन्ना खेत में खड़ा तो है पर उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं बताई जा रही है। हिमाचल में मकई खेत में तो खड़ी

60 करोड़ किसान जब देश में जबरदस्त मार डोल रहे हैं तो किसानों के लिए बेल आउट पैकेज क्यों नहीं तैयार किया जाता?

है पर शिरा दिखाई नहीं दे रहा है। यानी कमजोर मानसून का फसल उत्पादन जाहिर तौर पर फर्क पड़ता है। पर सरकार 'मार्केट सेंटीमेंट' अच्छा रहे, उसके लिए सकारात्मक बातें करती है। पिछले साल भी उत्पादन घटा था। इस साल भी अगर 50 लाख टन तक उत्पादन कम होता है तो नुकसान होना ही है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हमारे पास पर्याप्त अनाज भंडार है बल्कि बात यह नहीं उठाई जा रही है कि किसान का क्या हाल है? वह साल दर साल सूखे की मार सह रहा है। बैंक नुकसान झेल रहे थे तो सरकार ने 22 हजार करोड़ का 'बेलआउट' दिया। वन रैंक वन

पेंशन के लिए सरकार ने 8 हजार करोड़ दे दिए। कर्मचारियों के लिए सातवां वेतना आयोग आने वाला है। पर किसान की आय की फिक्र कौन करेगा? खेती कमजोर होने पर पहला असर पशुधन पर पड़ता है। यह किसान पर भी सीधा असर दिखाती है। किसान की आय रसातल में है।

आखिर कैसे चले जिंदगी

कमिशन फॉर एग्रीकल्चर कॉस्ट एंड प्राइसेज कहता है कि उत्तर प्रदेश में एक किसान की गेहूं में प्रति हैक्टेयर आय 11 हजार रुपये है। गेहूं छह माह की फसल है, इस हिसाब से उसकी मासिक आय करीब 1800 रुपये प्रति हैक्टेयर होती है। लाजिमी है कि किसान खेती छोड़ेगा। मजदूरी करेगा और पेट भरेगा। इतने विकट हालात में किसान आत्महत्या नहीं करेंगे तो क्या करें? ये कैसा सबका साथ और सबका विकास है? 2011 का सोशल सर्वे दिखाता है कि गांवों में 67 करोड़ लोग 33 रुपये प्रति दिन पर गुजारा करते हैं। गांवों में ज्यादातर कमाई का स्रोत सिर्फ खेती ही है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि खेती कैसी होगी बल्कि सवाल है कि किसान कैसे जिंदा रहेगा? दुर्भाग्य यह है कि हमारे देश में गांव और शहर के बीच बहुत बड़ा डिस्कनेक्ट हो गया है।

कई देशों में सूखा पड़ा है। कैलिफोर्निया और टेक्सस में भयंकर सूखा पड़ा था। वहां खेती और जानवर संकट में है। वहां सरकार जानवरों को दूध पिला रही है। पर हमारे यहां तो जानवरों के लिए चारा ही नहीं है। किसान के पास आय नहीं है तो वह क्या करेगा? वह शहर जाता है तो उसे वहां नौकरी नहीं मिल रही है। क्रिसिल की पिछले साल एक रिपोर्ट में यह सामने आया था कि 2005-12 तक 3.70 करोड़ लोगों ने खेती छोड़ दी।

अलनीनो का फिर आतंक

खतरा : प्रशांत महासागर में जलधाराओं के गर्म होने से वैश्विक मौसम तंत्र पर असर होता है। इस बार पूरे दक्षिण एशिया में सूखे की आशंका है।

प्रशांत महासागर के मध्य व पूर्वी भाग में पानी का औसत सतही तापमान कुछ वर्ष के अंतराल पर असामान्य रूप से बढ़ जाता है। इंडोनेशियाई से 80 डिग्री पश्चिमी देशांतर यानी मेक्सिको और पेरू तट तक, यह क्रिया होती है। इससे अल-नीनो की स्थिति बनती है और वहां सबसे गर्म समुद्री हिस्सा पूरब में खिसक जाता है। समुद्र तल के 8 से 24 किमी ऊपर बहने वाली जेट स्ट्रीम प्रभावित हो जाती है। भारत में भी असर होता है।

कब बनेगी कुशल प्रबंधन की नीति

सूखे के हालात निश्चित रूप से किसी भी देश के लिए दुस्वप्न के समान हैं।

लेकिन आज की वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश इसका मुकाबला कर सकता है। इसके लिए जरूरत है कुशल प्रबंधन और स्थायी नीति की। सरकार सूखे अथवा दुर्भिक्ष को सरकार द्वारा सतत प्रमुख हालात से मापती है। इनमें शामिल हैं मौसमी सूखा, जलीय, कृषि, मृदा की नमी में कमी, सूखे का सामाजिक आर्थिक असर, अकाल (खाद्यान्न कमी) और पारिस्थितिक सूखा। वर्तमान में देश में बारिश कम होने से मौसमी सूखे के हालात बन रहे हैं। इससे अन्य हालातों पर अप्रत्यक्ष रूप से असर पड़ सकता है। देश में सूखे के हालात से निपटने के लिए स्थायी नीति और कुशल प्रबंधन का अभाव है। कृषि पैदावार को बढ़ाना, कृषि कार्यों के लिए बिजली और सिंचाई की उपलब्धता जरूरी है। लेकिन सूखे सरीखी प्राकृतिक आपदा के समय ही देश में सरकारी फाइलें एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर चक्कर लगाने लगती हैं। देखा जाए तो सूखा एक प्राकृतिक आपदा चक्र है। दुनिया के कई देश शुष्क मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित हैं। इनमें मध्यपूर्व, और उत्तरी अफ्रीका के देश शामिल हैं। इनमें हमारे समक्ष इजरायल का सकारात्मक उदाहरण है। इजरायल ने अपनी भौगोलिक स्थिति के भूदहनजर सूखे के हालात से निपटने के लिए कारगर प्रबंधन और नीति का निर्धारण कर उस पर अमल किया है। इसमें शामिल है ड्रिप सिंचाई। हमारे देश में आज भी फव्वारा सिंचाई अथवा नालीदार सिंचाई व्यवस्था ही ज्यादा चलन में है। सरकार की ओर से अनुदान देने



कैलिफोर्निया में सूखे के चलते सरकार ने लोगों से 25 फीसदी पानी कम खर्च को कहा, लोगों ने 31 फीसदी कम पानी खर्चा

Source: California Department of Water Resources

के बावजूद ड्रिप सिंचाई के प्रति रुझान कम है। इससे सिंचाई व्यवस्था में पानी की खपत पर क्रांतिकारी रूप से बदलाव लाया जा सकता है। सूखे का प्रत्यक्ष असर कृषि से जुड़े लोगों और अप्रत्यक्ष रूप से असर शेष जनता पर पड़ता है। शहरी लोगों को खाद्यान्नों की दरे बढ़ने से महंगाई के रूप में इन हालातों को झेलना पड़ता है। ऐसे में सरकार खाद्यान्न आयात नीति पर अमल करे।

नदियों को जोड़े

सूखे की स्थिति से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना को अमल में लाया जा सकता है। इससे सदानीरा नदियों के पानी को सूखे की मार झेलने वाले इलाकों को भी पानी उपलब्ध हो सकता है। देश में काफी समय से इस पर कागजी कवायद जारी है। इस वर्ष सूखे के हालात ने नदियों को जोड़ने की कवायद पर युद्धस्तर पर कार्य करने की जरूरत जताई है।

फिर सूखे की दस्तक!

13. Rf

कहां कितनी बारिश

कई बड़े राज्यों में मानसून कमजोर रहा।
मराठवाड़ा में 45%, पूर्वी यूपी में 42%,
तेलंगाना में 25% तक कम बारिश हुई है।

एकदशम

☐ पूर्ण : सामान्य

सामान्य वर्षा : 574.6 मिमी
हर्ड : 539.7 मिमी

❖ परिधमी : सामान्य से 41% ज्यादा

सामान्य वर्षा : 247.2 मिमी
इस वर्ष हुई : 348.3 मिमी

天正十三年

□ पूर्व : सामान्य से 27% कम

सामान्य वर्ष : 945.8 मिमी
इस वर्ष हुई : 692.5 मिमी

□ पश्चिमी : सामान्य

सामान्य वर्ष : 788.3 मिमी
इस वर्ष हुई : 868.1 मिमी

【关键词】 网络；网络文学；网络文学批评

□ सामान्य

सामान्य वर्षा : 1026.4 मिमी
इस वर्ष हुई : 835.4 मिमी

1991

□ सामान्य से 45% कम

सामान्य वर्षा : 579.8 मिमी
इस वर्ष हुई : 317.5 मिमी

15%

कम वर्षा हुई है
सामान्य से इस
बार देश में जून
से सितंबर
के दौरान।

20 करोड़

सीमांत किसान देश
में खेती के लिए
मानसून पर निर्भर

रबी के लिए परेशानी

खेती पर खतरा
वर्ष 2014 में देश में बारिश 12 फीसदी कम हुई थी। इसके परिणामस्वरूप देशभर में जून 2015 में अनाज के कुल उत्पादन में 4.7 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आने वाले समय में ये हालात खेती पर और खतरा बढ़ाएंगे।

देश में पिछले साल मानसून ने देशी से विदाई ली थी। लेकिन इस बार सितंबर माह देश के अधिकांश हिस्सों में सूखा ही बीत रहा है। इससे किसानों के खेतों में रबी की फसल की बुवाई के लिए नमी कम दी गई। प्रवाल पारंगी, गेहूँ, सरसों की बुवाई में देरी भी होगी। पिछले एक दशक की प्रवृत्ति पर

नजर डालो तो रबी की फसल देश में काफी हद तक जलस्रोतों पर निर्भर रहती है। ऐसे में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कृषि क्षेत्र में अधिक वृद्धि दर की उम्मीद नहीं की जा सकती। मध्य महाराष्ट्र और कानारटक की स्थिति से ये स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर को बढ़ाना मुश्किल होगा।

कब बनेगी कुशल प्रबंधन की नीति

संश्लेष के हस्तात निश्चित रूप से किसी भी देश के लिए दुस्वप्न के समान है। लेकिन आज की वैश्विक व्यवस्था में कोई भी देश इसका मुकाबला कर सकता है। इसके लिए जरूरत है कुशल प्रबंधन और स्थायी नीति की। सरकार सूखे अथवा तुरिभक्ष को संरक्षक द्वारा मान प्रमुख हातात से मापती है। इनमें शामिल हैं मौसमी सूखा, जलनीय, क्षुधि, मृदा की नमी में कमी, मात्रों का समाजिक आर्थिक

कैलिफोर्निया में सूरवे
के चलते सरकार ने
लोगों से 25 फीसदी

पिछले तीन माह
से चहुंओर कम
बरसे बढ़रा

भारतीय मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं, पिछले तीन माह में बंदरा देश में कम बरसे।

THE

मौसम विभाग के अनुसार पिछले तीन महीनों में सामान्य से **16%** कम और गत सप्ताह में **90%** कम बरसात हुई है।

1992

दक्षिण भारत के राज्यों में पिछले तीन महीनों में सामान्य से **17%** कम लेकिन गत साप्ताह सामान्य से **65%** अधिक बारिश हुई है।

772

मध्य भारत में पिछले तीन महीनों में सामान्य से **20%** कम और यदा सप्ताह **76%** कम बारिश हुई है।

9457

पूर्वोत्तर भारत में पिछले तीन महीनों में सामान्य से **04%** कम और साप्ताह में **53%** कम बरसात हुई है।

आर्थिक हालात पर संकट के बादल

वर्ष	वर्ष % (एलपीए)	अलबीनो उपस्थिति	खाद्य बढ़ोत्तरी %	उत्पादन बढ़ोत्तरी %
1986-87	87	हां	6.53	-0.2
1987-88	82	हां	10.95	-1.6
1991-92	91	हां	20.18	-2.0
1994-95	90	हां	12.80	4.7
2002-03	81	हां	1.76	-4.9
2004-05	87	जहाँ	2.64	1.1
2006-07	99	हां	9.62	4.2
2009-10	77	हां	15.27	0.8
2014-15	88	हां	5.44	0.2

एलपीए : लॉन्ग पीरियड एवरेज (दीर्घकाली औसत)

...और बढ़ेगी महंगाई!

15.3% हो गई थी खाद्य महंगाई वर्ष 2009-10 के दौरान। उस वर्ष देश के 61 हिस्से में सामान्य से कम बरसात हुई थी।

कमजोर मानसून और महंगाई का नाता पुराना है। हाल ही में आरबीआई कमजोर मानसून को अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी अस्थिरता बना चुका है। रिजर्व बैंक ने जनवरी 2016 के लिए खुदरा महंगाई दर को 5.8 फीसदी से बढ़ाकर 6 फीसदी कर दिया है। कमजोर मानसून होने पर दलहन, मोटा अनाज, चावल, चारा, दूध, चिकन आदि के दामों

वर्ष (प्रतिशत दीर्घकाली औसत)

क्षेत्र	2014 (कार्यिक)	2015 (पूर्वानुमान)
उत्तर-पश्चिम	79	85
मध्य	90	90
दक्षिण प्रायद्वीप	93	92
पूर्वोत्तर	88	90
समस्त भारत	88	88

नोट : वर्ष के पूर्वानुमान अंकन में

(+ अक्षय -) 8 फीसदी की अपेक्षा उच्च

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी

ग्रोथ रेट अनुमान घटाकर 7.6% किया।

50% खुदरा मुद्रारफीति में खाद्य पदार्थों का वेटेज है। इनकी दरों में बढ़ोत्तरी महंगाई में आठ प्रतिशत का इजाफा कर सकती है।

में वृद्धि की आशंका रहती है। जानकार मानते हैं कि 15 फीसदी बारिश कम होने पर कीमते बढ़ने के हालात बन सकते हैं।



घट गई पैदावार

वर्ष में खेती पर 60 फीसदी रोजगार के लिए अभी विवर है और खेती मानसून पर निर्भर है। ऐसे में कमजोर मानसून होने पर सीधा असर उस 60 फीसदी आबादी पर पड़ना लाडली है। क्योंकि केवल 40 फीसदी कृषि योग्य भूमि पर सिंचाई होती है। पिछले साल 12 फीसदी बारिश कम होने के कारण अनाज, कपास और तिलहन की खराब कुकुरान हुआ था। कमजोर मानसून के चलते 2014-15 में खेती की ग्रोथ महज 0.2 फीसदी थी। पिछले साल 26.11 लाख टन उत्पादन हुआ जो 2013-14 से 2650 लाख टन से कम था।

सूखा } गंगरेल पर गतिरोध में उठा अनुबंध का मसला, विधायक धनेंद्र साहू ने सरकार के सामने रखे तथ्य

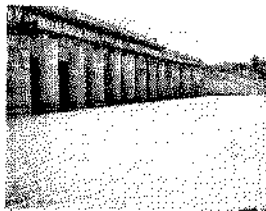
किसानों को पानी देने का सरकारी अनुबंध

13/8
रायपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

महानदी के गंगरेल बांध से पानी छोड़ने पर बने गतिरोध को लेकर अनुबंध का मुद्दा भी उठ गया है। अभनपुर विधायक धनेंद्र साहू ने आरोप लगाया कि जल संसाधन विभाग ने रायपुर और दुर्ग संभाग के 2 लाख 50 हजार किसानों के साथ पानी देने का अनुबंध कर रखा है। इसके बाद भी जरूरत पड़ने पर पानी नहीं दिया जा रहा है। विधायक इस मामले को लेकर उच्च न्यायालय भी गए हैं। उसकी सुनवाई अक्टूबर में तय हुई है। ऐसे में किसानों को राहत मिल पाने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

यह है पानी का गणित



महानदी जलाशय परियोजना समूह के जलाशयों में गंगरेल, सोंदूर, मुरुमसिल्ली और दुधावा शामिल हैं। इनसे धमतरी, रायपुर, बलौसा बाजार और बालोद जिले के लगभग 2 लाख 64 हजार हेक्टेयर खेतों की सिंचाई होती है।

केंद्रीय जल आयोग की व्यवस्था के मुताबिक इस जलाशय से पेयजल के लिए 2.2 टीएमसी, सिंचाई के लिए 4.7 टीएमसी, भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए 2.6 टीएमसी और वर्षभर में संभावित वाष्पीकरण के लिए 4 टीएमसी पानी रखा जाना है। वर्तमान में गंगरेल जलाशय में 14.89 टीएमसी, सोंदूर में 4.32 टीएमसी, दुधावा में 2.75 टीएमसी और मुरुमसिल्ली में 1.12 टीएमसी पानी है। इसमें से लगभग 6 टीएमसी पानी ऐसा है जो बाहर नहीं निकल सकता।

केंद्र से मदद मांगने की हिम्मत नहीं: जोगी

पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी ने भी राज्य सरकार पर हमला बोला है। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में अकाल की स्थिति पैदा हो गई है। इसके बावजूद राज्य सरकार केंद्र से मदद मांगने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। उन्होंने कहा कि अवर्षा की स्थिति में कानूनन जरूरी था कि अगस्त के पहले सप्ताह में ही

अनावरी रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेज दिया जाए। लेकिन इसकी कोई पहल ही नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस मुद्दे पर केवल बात कर रही है। अभनपुर में लाठीचार्ज को गैरजरूरी बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे सरकार की संवेदनहीनता का अंदाजा मिल जाता है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा सिर्फ उद्योगों को पानी देने के लिए बांधों का निर्माण कर रही है।

पानी के लिए प्रदर्शन कर रहे किसान गिरफ्तार



विधायक ने मांगा पानी, मंत्री ने कहा-संभव नहीं

रायपुर @ पत्रिका. राज्य में बने सूखे की हालात से हताश हो रहे किसानों की समस्या को देखते हुए अभनपुर विधायक धनेंद्र साहू और किसानों के प्रतिनिधिमंडल की गंगरेल बांध से पानी छोड़ने की मांग को कृषि एवं जल संसाधन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने खारिज कर दिया।

शनिवार को साहू और प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री से मुलाकात की और बताया, महानदी पर बने बांध में उपलब्धता के हिसाब से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जा सकता है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो रायपुर, बालोद,

पानी छोड़ने की गुंजाइश नहीं

कृषि मंत्री अग्रवाल ने कहा, बांध में पानी ब्रेक कम है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब सितम्बर में पेयजल के लिए पानी छोड़ना पड़ा है। किसानों को केवल 10 दिन ही पानी दिया जा सकता है। उसके बाद केवल

पेयजल और निस्तारी का पानी बचेगा। गर्मी में पानी नहीं रहा तो संकट गंभीर हो जाएगा। उन्होंने कहा, अगर विधायक संतुष्ट नहीं हैं तो अधिकारियों से हालात की समीक्षा कर सकते हैं।

धमतरी और दुर्ग जिलों में हालात गंभीर हो जाएंगे। उन्होंने इसके लिए जल संसाधन विभाग के संवर्धन अभियंताओं की समिति बनाकर इसकी तत्दीक करा लेने का भी सुझाव दिया, लेकिन कृषि मंत्री ने बांध से पानी

छोड़ने से इनकार करते हुए कहा, पानी छोड़ने के बाद हालात अधिक खराब हो सकते हैं। बाद में विधायक साहू ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की सलाह पर सरकार वस्तुस्थिति को नजर अंदाज कर रही है। (ब्यूरो)

सीएम ने गांधी रिपोर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने रायपुर जिला प्रशासन से किसान आत्महत्या मामले की रिपोर्ट मांगी है। शनिवार को पत्रकारों से उन्होंने कहा, जिला प्रशासन इसकी वजहों का पता लगाएगा। उन्होंने कांग्रेस के आंदोलन को महज राजनीति बताया।

जांच समिति: कांग्रेस ने किसान आत्महत्या मामले की जांच के लिए तथ्य अन्वेषी समिति बनाई है। विधायक धनेंद्र साहू की अध्यक्षता में गठित समिति में पूर्व मंत्री बीडी कुरेशी, प्रदेश महामंत्री ठाढ़ कुमर, किसान मोर्चा अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ला, रायपुर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जायराण कुर्त हैं। समिति एक सप्ताह में रिपोर्ट देगी।

किसान मोर्चा ने भी खोला मोर्चा

छत्तीसगढ़ संयुक्त किसान मोर्चा ने सूखे की स्थिति निर्मित होने के बाद शनिवार को बैठक कर सरकार की भूमिका पर चर्चा की। इस बात को लेकर नाराजगी जताई गई कि सरकार ने समय रहते ध्यान नहीं दिया, इसलिए अकाल की स्थिति निर्मित हो गई है। इस मुद्दे को लेकर मोर्चा रायपुर में किसान रैली सितंबर को बैठक होगी।

धमतरी @ पत्रिका
patrika.com/state

गंगरेल बांध से सिंचाई के लिए पानी छोड़ने की मांग को लेकर शनिवार को ग्राम छाती में प्रदर्शन कर रहे 32 किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। करीब 3 घंटे तक किसानों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। किसानों ने पानी नहीं दिए जाने पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। छात्री क्षेत्र के दर्जनभर गांवों के सैकड़ों किसान पिछले तीन दिन से नहर में पानी छोड़े जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को नेशनल हाइवे पर चक्काजाम की घोषणा की गई थी। किसानों के आंदोलन को देखते हुए पुलिस-

प्रशासन ने सुबह से ही छाती को छावनी में तब्दील कर दिया था। सुबह करीब 11 बजे करीब दो हजार किसान चक्काजाम के लिए हाइवे की तरफ बढ़े। पहले से सुरक्षित जवानों ने किसानों को नहर पार ही रोक दिया। इस बीच पुलिस और किसानों के बीच काफी धक्का-मुक्की भी हुई। घटनास्थल पर मौजूद एसपी अशोक गिरे, डीएसपी मुक्ति तिवी, डिप्टी कलक्टर दुष्यंत रायस्त, एसडीएम जीआर राठौर और अन्य अग्रवाल किसानों को समझाते रहे लेकिन किसान पानी छोड़ने की जिद पर अड़े रहे। किसी अप्रिय घटना की आशंका के मद्देनजर ग्राम छाती में अब भी पुलिस बल तैनात किया गया है।

Newspapers published on:

September 12, 09, 2015

Hindustan Times

Economic

The Times of India (M.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (M.D.)

New Bharat Times (Hindi)

Punjab Kesari (P.N.D.)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Dussehra Chronicle

Madras Herald

N. P. Chronicle

A. & J. (Hindi)

Indian Nation

H. P. Chronicle (Hindi)

The Times of India (M.D.)

B.H.C.

And Documented in: E. J. (Hindi/English) - Public Section, C.V.C.

गहराता संकट | अवर्षा से सर्वाधिक प्रभावित राजनांदगांव जिला

छत्तीसगढ़ के आठ जिलों पर सूखे की जबरदस्त मार

पत्रिका

एक्सक्लूसिव

अमेश तिवारी, रायपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

छत्तीसगढ़ में सूखे की मौजूब स्थिति गंभीर होती जा रही है। केन्द्रीय कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ के आठ जिलों में सूखे की स्थिति बताई है। राज्य के सूखा प्रभावित जिलों में वर्षा में 23 से 41 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता आर.के. जैन ने पत्रिका को जानकारी दी है कि छत्तीसगढ़ के जलाशयों में इस वक्त औसत से 17 फीसदी कम पानी है, अब इस बात की उम्मीद कम है कि इस कमी को दूर किया जा सकेगा। आने वाले दिनों में जलाशयों में पानी का स्तर और गिर सकता है। ऐसे में कमजोर मानसून की मार झेल रहे किसानों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। दरअसल मानसून खत्म होने के बाद किसान सिंचाई के लिए जलाशयों का मुंह देख रहे हैं मगर छत्तीसगढ़ के प्रमुख बांधों में जल संकट गहराता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार देश के 640 जिलों में से 283 जिले सूखे की चपेट में हैं। इन जिलों में इस साल मौसमी बारिश की मात्रा में 20 से लेकर 90 प्रतिशत की कमी आई है। मौसम विभाग का



सबसे बुरे हालात सीएम के निर्वाचन क्षेत्र में

कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों में अवर्षण से सर्वाधिक प्रभावित मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का चुनाव क्षेत्र राजनांदगांव जिला हुआ है। यहां 41 फीसदी कम बरसात हुई है, वहीं कच्चा और सरसुजा में हालात अन्य जिलों की तुलना में बेहतर हैं।

कहना है कि दक्षिण पश्चिम मानसून के असफल होने से छत्तीसगढ़ में यह हालात पैदा हुए हैं। हालांकि केंद्र सरकार ने अब तक 2014 को सूखा वर्ष घोषित नहीं किया है।

खाद्य संकट पैदा कर सकता है सूखा : राज्य के सरकारी खाद्य गोदामों में सूखे का असर दिखने लगा है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्न वितरण हेतु बनाए गए ज्यादातर गोदामों में अनाज के भंडारण पर मौजूदा संकट का असर दिखने लगा

पंद्रह वर्षों में तीसरी बार सूखे की मार

छत्तीसगढ़ पिछले 15 वर्षों में तीसरी बार सूखे की चपेट में है। केंद्र सरकार के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि छत्तीसगढ़ में वर्ष 2002 और 2004 में इससे बुरे हालात थे। इन दोनों ही वर्षों में छत्तीसगढ़ के 14 जिले सूखे की चपेट में आ गए थे। हालांकि 2009 में जब तमाम राज्यों में सूखा पड़ा था छत्तीसगढ़ में सामान्य वर्षा हुई थी। हालांकि कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि भले ही प्रभावित जिलों की संख्या कम हो लेकिन हालात तुलनात्मक ढंग से ज्यादा खराब हैं।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि राज्य के बीजापुर, अंतागढ़, सनावल, कुआकोदा, सुकमा, तखतपुर, मोरला इत्यादि जगहों पर गोदामों की क्षमता के हिसाब से अनाज का मौजूदा स्टॉक 50 फीसदी से भी कम है।

'रमन के गोठ' में सूखे पर चिंता



रायपुर @ पत्रिका, आकाशवाणी से प्रसारित मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की भेटवार्ता 'रमन के गोठ' में



सूखा छाया रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे खुद किसान परिवार से हैं, इसलिए किसानों की पीड़ा को समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा के अभाव में बड़े क्षेत्रफल में सूखे की आशंका पैदा हो गई है। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि सिंचाई के जो भी सरकारी साधन उपलब्ध हैं उनका बे जितना हो सके उपयोग करें। उन्होंने कहा कि इसके लिए जल संसाधन विभाग और ऊर्जा विभाग को जरूरी निर्देश दे दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि सरकार की कोशिश है कि गांवों में रोजगार खत्म न हो। इसके लिए

पोला-तीजा के बहाने महिलाओं से जोड़ा

रमन के गोठ की पहली कड़ी में मुख्यमंत्री का जोर संस्कृति पर रहा। पोला और तीजा की शुभकामना के बहाने मुख्यमंत्री ने खुद को महिलाओं से जोड़ा। महिलाओं से जुड़ी बात करने के दौरान मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ी में बोलते रहे ताकि गांव की महिलाओं के लिए वालालाप ज्यादा ग्राह्य हो सके। इस दौरान उन्होंने गणेश उत्सव और ईद-उल-जुलूस की बधाई दी।

योजना तैयार कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 सितम्बर को मंत्रिपरिषद की बैठक में सूखे की स्थिति से निपटने की योजना पर चर्चा होगी। इस नियमित भेटवार्ता को सुबह 10.45 से 11 बजे के बीच आकाशवाणी के प्रदेश स्थिति सभी पांच केंद्रों से प्रसारित किया गया।

Newspaper/Website/Editorial published on

September-14.9.2015

Indian Express
The Times of India (India)
Indian Express
Times
Hindustan (Mumbai)

New Delhi Times (Mumbai)
Punjab Kesari (India)
The Hindu
Punjab Kesari (Mumbai)
Punjab Kesari
Lok Sabha (Mumbai)

Indian Express
The Times of India (Mumbai)
The Times of India (Mumbai)
The Times of India (Mumbai)
The Times of India (Mumbai)

Newspaper/Website/Editorial published on

संकट की आहट

मानसून की कमी से देश का आधा हिस्सा सूखे की चपेट में

मानसून विदा होने की तैयारी में है और देश का तकरीबन आधा हिस्सा बारिश की कमी से सूखे की स्थिति का सामना कर रहा है। सूखे की गंभीरता के मद्देनजर कृषि मंत्रालय तमाम दूसरे विभागों और मंत्रालयों के साथ मिलकर इस स्थिति से निपटने के लिए काम कर रहा है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र और कर्नाटक में हालात विकट हैं।

हालात बिगड़े

15 फीसदी तक जा पहुंचा है देश भर में मानसून की बारिश में कमी का अंकड़ा
20 फीसदी से लेकर 50 फीसदी तक रिकॉर्ड कमी है बारिश में
294 जिलों में (कुल 641 जिलों में से) बारिश में कमी रिकॉर्ड की गई है
658.0 मिमी बारिश हुई देश में आठ सितंबर तक (सामान्य स्तर होना चाहिए 768.9 मिमी का)

उत्तर प्रदेश में सूखा

- 48 जिलों में 40 फीसदी से भी कम बारिश हुई है इस बार यूपी में
- 44.8 फीसदी ही बारिश हुई है राजधानी लखनऊ में
- 59.8 फीसदी बारिश रिकॉर्ड की गई है उत्तर प्रदेश में सामान्य के मुकाबले इस बार
- 47.7 प्रतिशत ही बारिश हुई है पानी का संकट बुंदेलखंड में
- 89.4 फीसदी बारिश रिकॉर्ड की गई है इस मानसून सीजन में (सामान्य से बेहतर)
- 59.1 फीसदी पूर्वी उत्तर प्रदेश में और मध्य उत्तर प्रदेश में 50.2 प्रतिशत बारिश हुई है

यूपी में 10 साल में सबसे कम बारिश

यूपी में पिछले 10 साल में सबसे कम बारिश हुई है। पिछले साल जहां राज्य के 18 जिलों में 60 से 80 प्रतिशत बारिश हुई थी। वहीं इस बार 48 जिले कम बारिश की जद में हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कम बारिश के कारण किसान इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर बारिश नहीं हुई तो धान की फसल चपेट हो जाएगी। कृषि विभाग के मुताबिक इस बार खेती के लिहाज से स्थिति काफी तनावपूर्ण है।

झारखंड में रुठे इंद्र

- 12 जिलों में इस बार हुई है कम बारिश (कुल 24 जिले हैं)
- 800 मिमी बारिश हुई रांची में (औसत बारिश 1200 मिमी)
- 70 फीसदी खेती राज्य की मानसून के भरोसे है।

यहां कम बारिश हुई

- 23 फीसदी कम बारिश हुई उत्तराखंड में
- 38 फीसदी कम बारिश हुई रायलसीमा क्षेत्र में
- 27 फीसदी कम बारिश हुई हाल ही में प्रदेश बने तेलंगाना में

हालात बदतर

- 40 फीसदी कम बारिश पंजाब और हरियाणा में
- 48 फीसदी कम बारिश महाराष्ट्र के मराठवाड़ा में
- 50 फीसदी महाराष्ट्र है सूखे की चपेट में
- 45 फीसदी कम बारिश हुई है उत्तरी कर्नाटक में

दिनांक 13 सितंबर 11 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
 नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
 The Tribune (Chandigarh)
 The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
 The Times of India (Mumbai)
 The Telegraph (Kolkata)
 हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
 The Deccan Chronical (Hyderabad)
 Central Chronical (Bhopal)

Antarctica's ice to melt if all fossil fuel is burned

A subsequent sea level rise of 200 feet will see London, Paris, New York, Hong Kong and Tokyo being submerged

Justin Gillis

Burning all the world's deposits of coal, oil and natural gas would raise the temperature enough to melt the entire ice sheet covering Antarctica, driving the level of the sea up by more than 160 feet, scientists reported. In a major surprise to the scientists, they found that half the melting could occur in as little as a thousand years, causing the ocean to rise by something on the order of a foot per decade, roughly 10 times the rate at which it is rising now. Such a pace would almost certainly throw human society into chaos, forcing a rapid retreat from the world's coastal cities.

The rest of the earth's land ice would melt along with Antarctica, and warming ocean waters would expand, so that the total rise of the sea would likely exceed 200 feet, the scientists said. "To be blunt: If we burn it all, we melt it all," said Ricarda Winkelmann, a researcher at the Potsdam Institute for Climate Impact Research in Germany and the lead author of a paper published in the journal *Science Advances*.

A sea level rise of 200 feet



LOSING GROUND: Earth's land ice is set to melt rapidly over the next 1000 years if the average temperature of the planet keeps rising

would put almost all of Florida, much of Louisiana and Texas, the entire East Coast of the United States, large parts of Britain, much of the European Plain, and huge parts of coastal Asia under water. The cities lost would include Miami, New Orleans, Houston, Washington, New York, Amsterdam, Stockholm, London, Paris, Berlin, Venice, Buenos Aires, Beijing, Shanghai, Sydney, Rome and Tokyo.

Nobody alive today, nor even their grandchildren, would live to see such a calamity unfold, given the time the melting would take. Yet the new study gives a sense of the risks that future generations

face if emissions of greenhouse gases are not brought under control.

"This is humanity as a geologic force," said Ken Caldeira, a researcher at the Carnegie Institution for Science in Stanford, Calif., and another author of the paper. "We're not a subtle influence on the climate system — we are really hitting it with a hammer."

The paper found, about half the Antarctic ice sheet would melt in the first thousand years. "I didn't expect it would go so fast," Dr. Caldeira said. "To melt all of Antarctica, I thought it would take something like 10,000 years."

NYT NEWS SERVICE

दिनांक 13.12.2011 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
 नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
 The Tribune (Chandigarh)
 The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
 The Times of India (Mumbai)
 The Telegraph (Kolkata)
 हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
 The Deccan Chronical (Hyderabad)
 Central Chronical (Bhopal)

Heavy rain in city

Mumbai and its neighbouring areas received occasional heavy rainfall on Saturday. Weather bureau officials said that citizens could expect similar rainfall over the next couple of days. BMC officials said that it did not rain much in catchment areas and hence, there was no major change in lake levels. Tansa lake rose by meager 20mm and Middle Vaitarna by 7.80mm. No water-logging cases or rain-related incidents were reported till late on Saturday, according to the BMC's disaster management unit. nw

Rains abate, wall collapse kills woman

RAICHUR, DHNS: Though the heavy rains lashing the district over the last five days abated on Saturday, a wall collapse killed a 32-year-old woman.

A mud wall collapsed in Jegaralkal village, killing Renukamma on Friday. A bridge over the Buddina stream in Manvi taluk is inundated. With the new bridge construction remaining incomplete traffic has come to a standstill.

Devadurga, Jalahalli received moderate rainfall, while it drizzled through the night in Kavitala of Manvi. The standing Sajje crop in Mincheri and Gorebalu are now sleeping.

दिनांक 12 अक्टूबर, 1991 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
 नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
 The Tribune (Chandigarh)
 The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
 The Times of India (Mumbai)
 The Telegraph (Kolkata)
 हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
 The Deccan Chronical (Hyderabad)
 Central Chronical (Bhopal)



An erosion-hit riverbank at Lahorighat Miringaon in Morigaon on Wednesday. — UB Photos

Heavy erosion hits Dhubri along India-Bangla border

CORRESPONDENT

GOLAKGANJ, Sept 10: There are some areas along the India-Bangladesh border in Dhubri district that are in a very bad shape because of heavy erosion by the Brahmaputra and Gangadhar rivers.

The Union Home Ministry sanctioned funds for the development of international borders through a scheme called Border Area Development Programme (BADP),

but the Ministry seems to be least concerned about the state of affairs in Dhubri district.

In Dhubri area, erosion has taken place along the border with Bangladesh mainly in four gaon panchayats — Bhogdaha, Gashpara, Patamari and Binnachora. The border fencing and border outposts in these areas are now facing a serious threat.

The Dhubri MLA, Zahan Uddin, said that erosion in certain areas of the district

along the India-Bangladesh border had been taking place for the last 15 years, but there had been no anti-erosion scheme sanctioned by both the Centre and the State Governments.

“Border fencing and many border outposts in these areas are facing a grave threat due to heavy erosion. This is also a threat to national security. It is high time that some schemes were sanctioned to face this challenge,” he said.

दिनांक 12.11.97 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
 नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
 The Tribune (Chandigarh)
 The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
 The Times of India (Mumbai)
 The Telegraph (Kolkata)
 हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
 The Deccan Chronical (Hyderabad)
 Central Chronical (Bhopal)

Pleasant weather to continue for two days

K. Lakshmi

CHENNAI: For residents of Chennai, the relief from sultry weather may continue for two more days. In some parts of the city, there is a likelihood of thundershowers late in the evening.

Chennaiites woke up to a pleasant Thursday morning as several areas of the city had received heavy rain overnight. After several months, the nearly dry Chembarambakkam reservoir received good inflows as the catchment areas received 8 cm of rainfall.

Though there is an up-

After many months, the nearly dry Chembarambakkam reservoir received good inflow as the catchment areas received 8 cm of rainfall.

per air circulation over west central Bay of Bengal, convective activity, which follows a hot day, brought rains over the city, said officials of Meteorological Department.

Several areas, including Nungambakkam (5

cm), Anna University and Sriperumbudur (4 cm) and Meenambakkam and Kolapakkam (3 cm), received good rainfall.

This also brought down the day temperature to 32.6 degree Celsius in the city and 32.7 degree Celsius in Meenambakkam on Thursday.

Officials of the Meteorological department said there is a possibility for the weather system over west central Bay of Bengal intensifying into a low pressure area.

"But, we have to wait for its impact over Chennai," said an official.

Since June 1, Chennai has received 380.2 mm of rainfall, which is 30 mm more than the average for the season.

Windfall for reservoirs?

With Tiruvallur and Vellore districts likely to get heavy rain on Friday, the reservoirs supplying the city may also get replenished. Due to heavy rainfall, storage in Chembarambakkam reservoir went up by nearly 65 million cubic feet, by Thursday. This is equal to 20 days of water supply to the city.

Officials of the Water

Resources Department said the 10-km-long Bangaru channel transporting water from Sriperumbudur to Chembarambakkam and another new channel formed to carry catchment water from areas such as Kuthambakkam to the reservoir were recently desilted.

"This has ensured that rainwater is transported to the reservoir without much loss," the official added. Chennai will experience cool weather till Saturday as day temperature is predicted to hover around 33 degrees Celsius.

दिनांक 12.10.15 को निम्नलिखित समाचार पत्रों में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)

भारत टाइम्स (दिल्ली)

The Tribune (Chandigarh)

The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)

The Times of India (Mumbai)

The Telegraph (Kolkata)

हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)

The Deccan Chronical (Hyderabad)

Central Chronical (Bhopal)

परेशान करेगी गर्मी, बढ़ेगा टेंपरेचर

■ नगर संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी में सितंबर महीने में लगातार गर्मी बढ़ रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि दिल्ली में आने वाले दिनों में टेंपरेचर और भी ज्यादा बढ़ेगा। शुक्रवार को मैक्सिमम टेंपरेचर नॉर्मल से दो डिग्री सेल्सियस ज्यादा के साथ 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। आने वाले दिनों में मैक्सिमम टेंपरेचर 38 डिग्री तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं शुक्रवार को मैक्सिमम ह्यूमिडिटी 81 परसेंट दर्ज हुआ।

शुक्रवार को दिनभर तेज धूप छाई रही। लोगों को उमस भरी गर्मी ने खूब परेशान किया। मिनिमम टेंपरेचर सामान्य के साथ 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिकों ने कहा है कि दिल्ली और आसपास के इलाकों में अगले चार से पांच दिनों में गर्मी और



File Photo

अगले चार से पांच दिनों में दिल्ली में गर्मी और भी बढ़ सकती है

भी बढ़ सकती है। मैक्सिमम टेंपरेचर 37 से 38 डिग्री रहने का अनुमान है। पिछले 10 दिनों में दिल्ली में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई है। इससे गर्मी ज्यादा महसूस हो रही है। वहीं वैज्ञानिकों ने संभावना जताई है कि सितंबर महीने से अगर बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई तो यह पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा

सूखा महीना दर्ज होगा। आमतौर पर सितंबर महीने में मॉनसून की बारिश भी होती है लेकिन इस बार मॉनसून पहाड़ी इलाकों की तरफ शिफ्ट हो गया है। इस वजह से मॉनसून का असर दिल्ली की तरफ नहीं हो रहा है।

आने वाले 5 से 6 दिनों में कोई भी वेदर सिस्टम भी एक्टिव नहीं होगा।

दिनांक 12.11.1994 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Flood of woes in N K'taka dists

BENGALURU: Moderate to heavy rains lashed North Karnataka districts and Shivamogga since Wednesday evening. The incessant rains brought with them a flood of woes for people in Vijayapura, Raichur, Bagalkot and Koppal districts.

Vijayapura

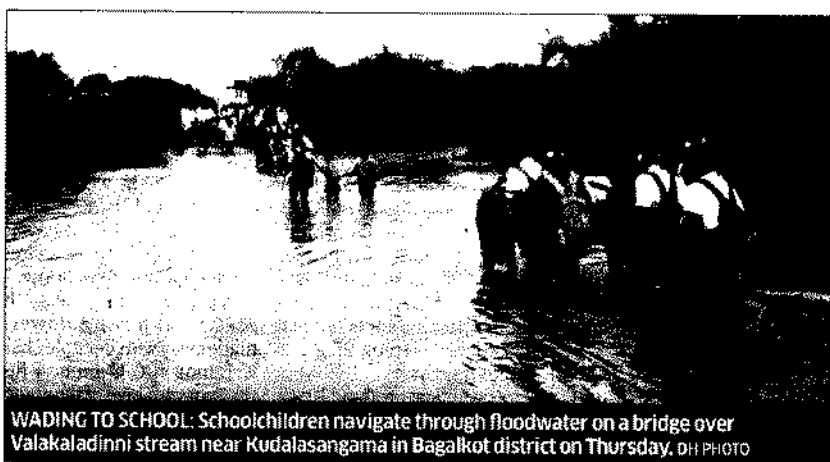
Thursday night's rain kept the people of Vijayapura awake trying to keep water out of their homes. Several low-lying areas in the district were inundated.

River Doni is in spate and the Hadaginalla Road is waterlogged, hitting traffic. A stream flooded the Government Primary School at Millat Nagar in Talikot town. The compound wall of the school collapsed owing to incessant rains.

The overnight rains have also washed away crops in Nagathan and surrounding areas. "Lemon trees are showing their roots due to soil erosion. Tur crops on several hundred acres have suffered damage," Mallu Basavanthappa Katnalli, a farmer of Nagathan, told *Deccan Herald*.

Raichur

Raichur town and parts of the district received good rainfall



WADING TO SCHOOL: Schoolchildren navigate through floodwater on a bridge over Valakaladinni stream near Kudalasangama in Bagalkot district on Thursday. DH PHOTO

on Thursday. A man suffered injuries after the roof of a house in Halepete Colony of Mudagal. In Kyravadi village the wall of a house crumbled but no injuries were reported.

The Muski reservoir is full to the brim. The crestgates of the reservoir have been opened. A bike was washed away in the rivulet's torrent in Venkatapura. A boy, who was caught in the current, was saved by the locals. The water level in the Kavitala lake has increased.

Bagalkot

The traffic on Kudalasangama-

Myageri-Almatti Road has come to a standstill as the Valakaladinni stream is overflowing. The road has been blocked for traffic since Thursday night.

Residents of over 20 villages in the region have been isolated by floodwater. As a result, schoolchildren, college students and people travelling to Kudalasangama, Hungund and Bagalkot for work are all inconvenienced.

The stretch from Kudalasangama to Vasakaladinni is in a pathetic condition. Three streams cut across the road.

The road repair work and construction of bridges over the streams was sanctioned three months ago. However, the work never started, complain villagers.

Hubballi-Dharwad

The rain continued to lash the twin cities of Hubballi-Dharwad on Thursday. The KPL matches at the water-logged KSCA stadium at Rajnagar on Thursday were abandoned.

Normal life was thrown out of gear for a while in the afternoon. Drains overflowed inundating roads in low-lying ar-

reas. Several houses were flooded in Lakshminingsakeri in Dharwad and Old Hubli area in Hubballi.

Koppal

Moderate to heavy rains lashed Koppal town and several villages in the taluk on Thursday. Water gushed into the fields and the houses at Koluru village after Jinagukere tank breached on Thursday.

Shivamogga

Heavy rains lashed several parts of the district on Thursday. Shivamogga, Sagar, Thirthahalli, Hosanagar, Bhadravathi, Shikaripur and some parts of Sorab taluks received moderate to heavy rains. Intermittent rains lashed Shivamogga throughout the day. The rain that started around 11:30 am lasted for 20 minutes. It again rained in the evening. Shiralakoppa in Shikaripur taluk received a good spell of rains for three hours. The water level in Linganamakki dam rose to 1,787.40 feet against the maximum level of 1,819 feet. The inflow of water was 2,992 cusecs while the outflow was 1,432 cusecs.

DH News Service

दिनांक 11/12/2011 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
सिन्धुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronicle (Hyderabad)
Central Chronicle (Bhopal)



FALLING HELTER-SKELTER: Part of a hotel building falls into the floodwaters at the Nikko mountain resort in Tochigi prefecture, north of Tokyo, on Thursday. AFP

Japan city floods as raging river swells

TOKYO: A Japanese city was flooded Thursday when a raging river burst its banks, destroying homes and cars as desperate residents waited for help, and as thousands of people were ordered to evacuate.

Dramatic television footage showed a wall of muddy water gushing from the swollen Kinugawa river in Joso city, north of Tokyo, which is home to around 65,000 people.

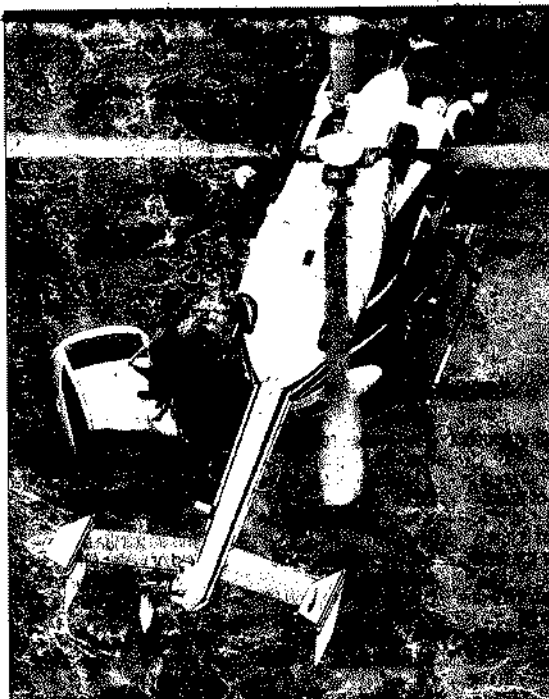
Several people are reportedly missing across the country as waist-high floods in some areas left rescuers scrambling to pluck residents to safety as a wide area was deluged in the wake of Typhoon Etau.

The huge rains also exacerbated a contaminated water problem at the crippled Fukushima nuclear plant as it overwhelmed the site's drainage pumps, sending radiation-tainted water into the ocean.

"This is a scale of downpour that we have not experienced before," forecaster Takuya Deshimaru said.

Prime Minister Shinzo Abe said the government was on high alert. "The government will stand united and do its best to deal with the disaster... by putting its highest priority on people's lives," he said.

In Joso, houses and vehicles



IN THE NICK OF TIME A resident is rescued by a rescue helicopter at a residential area flooded by the Kinugawa river in Joso. REUTERS

were washed away along with some power lines, as military personnel headed to the area to help with the rescue mission.

A solitary man clutched onto a concrete power pole, unable

to move as raging water surged by him. He was later rescued.

Nearby, an emergency official was suspended from a helicopter to rescue a person from a submerged home.

Desperate residents waved towels at rescuers as they stood on second-floor balconies waiting for help.

"Please continue to ask for help. Please do not give up hope," an NHK broadcaster said in an apparent message to helpless residents.

The city is about 60 kilometres outside the capital Tokyo, which has also been hit by flooding.

Joso is in Ibaraki prefecture, where the Japan Meteorological Agency had issued special warnings urging vigilance against mudslides and flooding. It had similar warnings for Tochigi prefecture.

Tochigi authorities ordered more than 90,000 residents to evacuate, while another 116,000 were advised to leave their homes, public broadcaster NHK said. In Ibaraki, at least 20,000 were ordered to evacuate for fears of floodings.

Etau, which smashed into Japan on Wednesday, moved out into the Sea of Japan (East Sea) by the end of the day, but a wall of rain continued to lash the country.

More than a dozen people were injured, including a 77-year-old woman who broke her leg after falling in strong winds, local reports said.

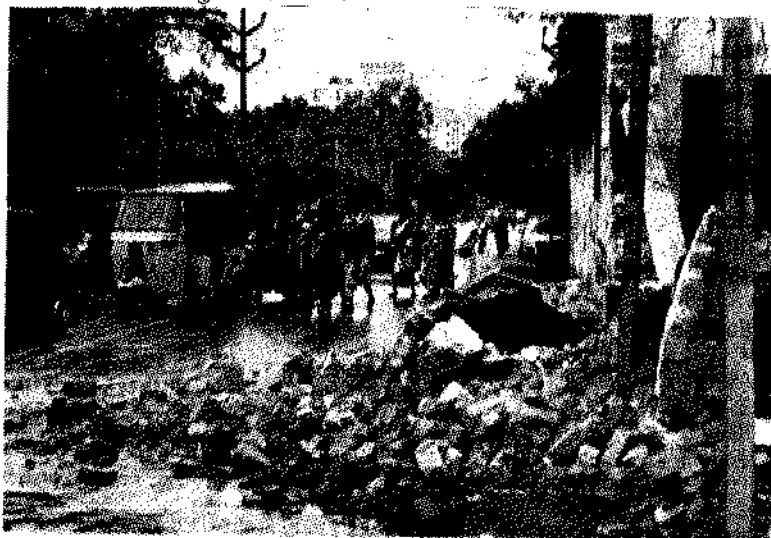
AFP

दिनांक 11/09/2015 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
भारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)



A wall lies collapsed due to heavy rain obstructing the traffic flow at VST near RTC Cross Road on Thursday.
— DECCAN CHRONICLE

Emergency cell wakes up; Met says 7-day rain

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, SEPT 10

With the Met predicting heavy and incessant rainfall in the city for the next seven days, the state machinery sprang to action, putting in place a contingency plan.

Thunderstorm with rain in Hyderabad has been predicted for the next few days.

Deputy CM Mohammed Mahmood Ali said a central emergency cell has been set up, that would attend to complaints of water logging and other rainfall-related grievances in Hyderabad and Secunderabad. Heavy rainfall over the last few days has left the city already battered, with water logging, inundation of low-lying areas and choking of drains.

On Thursday, a rainfall

Action plan

● 24 Mobile teams with DCM vehicle and five labourers have been put into action along with five teams with mini vehicles and labourers.

● 51 Regular teams with TATA Ace and a jeep and labourers have also been assigned the task.

of 4.6cm was measured (till 08.30pm) in the twin cities. On Wednesday, both the cities received rainfall of over 5cm.

Even the Begum Bazar police station was inundated. Passengers of a Setwin bus escaped a major accident near flooded Nampally Junction. The bus tilted to one side.

The traffic police at Nampally swung into action and evacuated the passengers before it was

too late.

Traffic staff physically kept holding the bus till a crane was called. At several major intersections, traffic police and GHMC staff worked together to clear stagnant water.

Traffic movement was slow at Begumpet, Ameerpet, Panjagutta, Khairatabad, Nagarjuna Circle, Road No. 12 Banjara Hills, Masab Tank, Lakdikapool, Hyderguda due to rain and water logging. Facebook and WhatsApp groups kept buzzing with the latest traffic updates.

In the last few days, GHMC's monsoon teams attended to calls from 160 water stagnation areas, 26 fallen-tree complaints, removal of 52 choke points of storm water drains on main roads, and dewatering of 13 inundated areas.

● All the government departments have been put on alert to tackle emergencies.

● Additional teams have been set up to aid the existing 68 emergency squads.

दिनांक 11 दिनांक 15 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

GHMC: Climate change? What's that?

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, SEPT. 10

Tackling the effects of climate change does not feature in GHMC's plans for controlling flooding in Hyderabad.

The city's storm water drains are capable of handling 1.2 cm of rainfall per hour. However, rain patterns have been changing over the years due to climate change. Weather and water resource experts say that over the years, the number of

"rain days" during monsoon has come down and that sudden downpours with excessive rainfall are becoming common.

For example, between June 1 and September 10 this year, Hyderabad has seen 45 per cent less rainfall; however, on Thursday, it rained 28.5 mm, which is nearly seven times the normal rainfall for September in Hyderabad which is 4.4mm.

Such sudden surges are expected to become frequent over the years as an

The damage has been done in main areas but in the developing suburbs, it should be ensured that haphazard layouts do not pop up.

— ANANT MARIGANTI

impact of climate change, resulting in sudden surge of rainwater in a single day, which will in turn result in inundation of vulnerable areas and also flooding in other areas. In

various cities across the world, municipalities are gearing up to improve stormwater drainage systems keeping climate change in mind.

A document by National Disaster Management Authority on urban flooding clearly warns of "increased rainfall intensity and an implied increase in flooding" as an effect of climate change. It also mentions: "Cities/towns located inland can experience floods largely because of localised heavy

rainfall within the watershed due to overwhelming of the stormwater drainage system capacity". This is already being experienced in Hyderabad.

Mr Anant Mariganti of Hyderabad Urban Labs says, "Urban development bodies should first work together and develop a common elevation map through satellite imaging following which they can work on finding out vulnerable locations and also develop a stormwater drain channel.

'Heavy rainfall' ahead for AP, TS

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, SEPT 10

The 'heavy rainfall' warning has been extended to isolated places in the two states while the monsoon has been active over Rayalaseema. Under its influence, a low pressure area may form during the next two to three days, IMD said.

"The trough of low pressure runs from Odisha to South Tamil Nadu across Coastal Andhra Pradesh," it added. For the next 48 hours, heavy rainfall would occur in isolated places in Adilabad, Nizamabad, Warangal, Karimnagar, Nalgonda, Khammam, Hy-

derabad, Ranga Reddy, Mahabubnagar and Medak of Telangana. For AP, the heavy rainfall warning has been extended to five days for isolated places in Srikulam, Vizianagaram, Visakhapatnam East and West Godavari, Krishna, Guntur, Prakasam, Nellore, Anantapur, Kadapa, Chittoor and Kurnool.

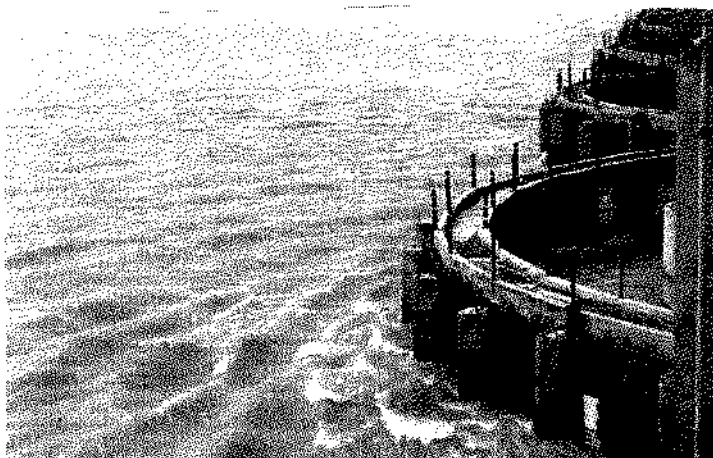
MROs have been directed by Telangana deputy CM Mohammed Mahmood Ali to carry out relief operations in view of the heavy rainfall across the state. Also, Coastal AP recorded heavy rains in the last 24 hours.

दिनांक 11.09.15 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)



The water at Jurala reservoir reaches the full tank level due to fresh inflows on account of rains on Thursday.

Rain in catchment area not reaching reservoirs

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, SEPT. 10

The rainwater in the catchment areas have not been reaching the reservoirs on account of various factors.

"There are rains in the catchment area, but due to water getting impounded in tanks in the many villages in Ranga Reddy, we may not get full inflows," said Mr V. Satyanarayana, the executive director of Hyderabad Metropolitan Water Board.

Srisaillam chief engineer (AP) G. Chittibabu said, "Tungabhadra inflows into Sunkesula barrage is still around 50,000 cusecs; after releasing 2,500 cusecs

to KC Canal, the remaining water is being released in the river to reach Srisaillam."

Meanwhile, in another welcome development, Jurala, the first major irrigation project on Krishna River, attained full reservoir level on Thursday afternoon. And with the levels still rising, authorities had to operate two penstock gates to release 8,000 cusecs each to downstream Krishna River after generating 39 MW each of hydel power.

"We are still getting 20,000 cusecs inflows into the dam, we will operate another penstock gate this night to allow total outflow

24,000 cusecs into the river," said superintending engineer of Jurala T. Khagender. Jurala outflows will take 36 hours to reach Srisaillam Dam.

He, clarified that Jurala inflows were due to local rains and not releases from Narayanpur Dam in Karnataka. In contrast to the situation at the AP-TS border with Karnataka, the inflows in Almatti have declined to just 2,702 cusecs.

The downstream Narayanpur Dam has almost reached its full level and inflows are being diverted to canals. Even Tungabhadra Dam in Hospet, was getting less inflows — 8,110 cusecs.

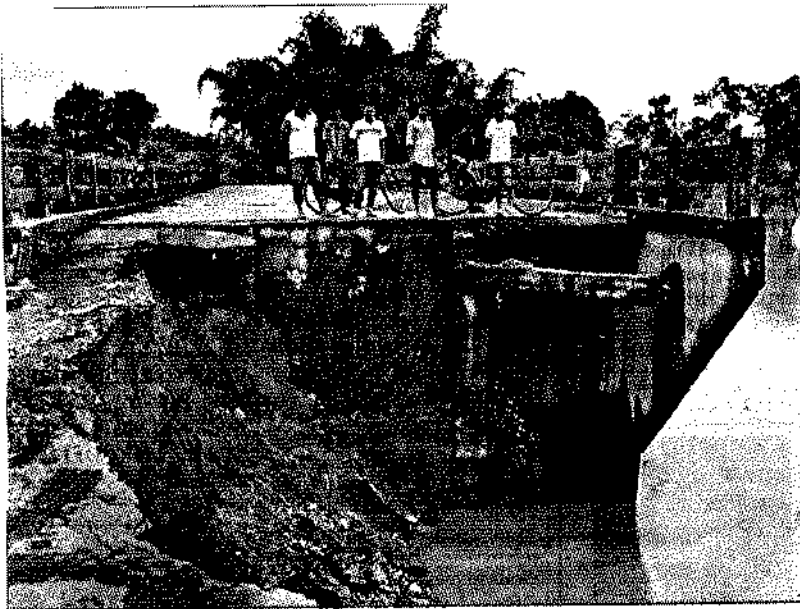
Not Forward

दिनांक 11/8/1972, IS को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
मिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)



Turbulent waters of the Jiyadhhol river in West Dhemaji washed away the approach road connecting the Ghuguha-Bothadoi concrete bridge under Dhakuakhana sub-division as seen on Thursday. - UB Photos

दिनांक 11/सितम्बर, 1955 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
भारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

MORE RAINS IN TS, AP IN NEXT 72 HOURS

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, SEPT. 9

The Meteorological Department in Hyderabad said on Wednesday said that conditions were favourable for a low pressure area.

"Under the influence of an upper air cyclonic circulation, a low pressure area may form during the next three to four days," IMD said. The heavy rainfall warning has been extended by IMD for both Telangana and Andhra Pradesh for another 72 hours.

The southwest monsoon has been active over Rayalaseema and moderate rainfall has been recorded at many places over the

region. In the last 24 hours, moderate to heavy rainfall was recorded in Coastal Andhra Pradesh where Salur mandal of Vizianagaram district recorded the maximum rainfall of 6cm in Andhra Pradesh, followed by Vepada mandal of Vizianagaram district at 5cm and Mangalagiri mandal of Guntur district at 4cm.

In Rayalaseema, Holagunda mandal of Kurnool recorded 5cm.

In Telangana, Damaragidda mandal of Mahabubnagar recorded 6cm rain followed by Hakimpet of Ranga Reddy district and Ghattu mandal of Mahabubnagar district, which recorded 4cm rain each.

दिनांक 11/12/2012, 12 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
 नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
 The Tribune (Chandigarh)
 The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
 The Times of India (Mumbai)
 The Telegraph (Kolkata)
 हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
 The Deccan Chronical (Hyderabad)
 Central Chronical (Bhopal)

INFRASTRUCTURE PROMISED FOR SUPPLYING TREATED SEWAGE TO INDUSTRIES

Water security highlighted at GIM

Aloysius Xavier Lopez

With water emerging as a key topic of discussion at the Global Investors Meet on Thursday, the State government is planning to initiate additional measures to transform water scarcity into water security.

Industries in Chennai and its outskirts are expected to gain significantly from such initiatives. Participants from various countries even spoke about the demand for water in most of the projects.

Minister for Municipal Administration and Water Supply (MAWS) S.P. Velumani said the government "intends to move from water scarcity to water security in a sustainable manner."

"Proposals have been prepared at an estimated cost of Rs.1,430 crore for Chennai. In other parts of the State, Tamil Nadu Water Supply and Drainage (TWAD) board has prepared 636 proposals



The dried up Red Hills reservoir, the main source of drinking water to Chennai. — PHOTO: B. JOTHI RAMALINGAM

at a cost of Rs.20,820 crore," Mr. Velumani said.

TWAD board has done a detailed investigation for development of a water grid along the Chennai-Bengaluru Industrial Corridor after studying 10,881 industries in 46 clusters, preparing a pre-feasibility report on water supply, desalination and water treatment at an estimated cost of Rs.13,625 crore.

Ponneri and Hosur are expected

to be the key nodes for water supply for industries along the industrial corridor.

Reiterating the policy of supplying 10 per cent of the water to industry, MAWS Secretary K. Phanindra Reddy said 704 MLD would be supplied for industry. Mr. Reddy assured delegates that infrastructure facilities for supplying treated sewage for industries would be in place.

Non-sovereign loans for civic infrastructure

Aloysius Xavier Lopez

CHENNAI: The Global Investors Meet (GIM) seems to have paved the way for mobilisation of funds for civic infrastructure projects through non-sovereign loans from development banks.

Representatives of development banks at the country seminars as part of GIM set the ball rolling in this regard.

Officials of French development bank AFD underscored the importance of non-sovereign loans for local authorities in the State. AFD is likely to allocate subsidised loans to the private sector for public service missions.

"So far, the Corporation has not taken non-sovereign loans from development banks. But private providers

of civic infrastructure can access such funds to do PPP projects in the urban sector. Most of the urban local bodies in Chennai Metropolitan Area and other areas of the State are expected to gain from such funding for civic infrastructure projects such as solid waste management, public transit or parking improvement.

The Chennai Corporation, which has the potential of generating property tax revenue of more than Rs.2,000 crore per year, has not revised the tax rates for 17 years. Currently, the property tax collection is less than Rs.600 crore a year. Non-sovereign loans are expected to facilitate civic infrastructure development in Chennai and other urban areas.

PROPOSALS HAVE BEEN PREPARED AT AN ESTIMATED COST OF RS.1,430 CRORE FOR CHENNAI